c. 2.=to come again : q.v.), *cunning youth (once) past does not r.* : न पुनरेति गतं चतुरं वयः, R. ix. 47.

RETURN (subs.) : I. Coming back : (1) प्रत्यागमः, -नम् ; (2) प्रतियानम् (=going back) ; (3) निवृत्तिः, प्रति-, सं-, वि-, (rare), "असन्निवृत्यै तदतीतमेव", Sa. vi. 10. ; (4) better by verb, *I am desirous of embracing you on your r.* : प्रत्यागतं त्वां परिरब्धुकामा, Ki. iii. 54. II. Giving back : (1) प्रत्यर्पणम् ; (2) प्रतिदानम् ; (3) निर्यातनम्, प्रति- : v. To return. (v.t.). III. Produce, profit : q.v. : फलम् : v. An official declaration : *गणना, *mortuary r.* : मृत्युगणनापत्रिका (?).

RETURN, IN : प्रति- in comp. *If I do not do some good to you in r.* : प्रतिप्रियं चेद्भवतो न कुर्याम्, R. v. 56. ; *Ś. has done befitting good to J. in r. for his life* : प्राणप्रदस्य सुसदृशं प्रत्युपकृतं जीमूतवाहनस्य शङ्खचूडेन, Na.v. ; *action in r.* : प्रतिक्रिया, Mr. iii.

REUNION : I. Lit. : पुनःसंयोगः and sim. comp.s. II. An assembly, meeting : q.v. : (1) सङ्गमः ; (2) समागमः.

RE-UNITE : v. To reconcile, unite again.

REVEAL : (1) वि-वृणोति, अपा- (वृ, c. 5.), *to r. one's heart* : हृदयं विवृणोति, Ki. xiv. 12 ; (2) भिनत्ति, निर्- (भिद्, c. 7.=to break), *secretly r. state secrets* : भिन्दन्ति मन्त्रं प्रच्छन्नाः, Ka. xi. 65. ; (3) प्रकाशयति (काश्, c. 10.=to give out : q.v.) ; (4) by circumlo., *through my favour all these will be r.ed to you* : सर्वं विदितमेतत्ते मत्प्रसादाद्भविष्यति, Ram. i. 2. 31. ; *as it was r.ed to him* : द्रष्टृत्वात्, Say. ; *r.s divine truths to all beings* : ददाति सर्वभूतानां परं ज्ञानम्, Mah.

REVEALER : (1) expr. by verb. ; (2) भेदक (f. दिका), निर्- (=breaker : as of secrets) : (3) विवरीतृ (f. त्री : rare) ; (4) प्रकाशक (f. शिका).

REVEL (v.) : प्रभूतमद्यपेयेन मोदते (मुद्, c. 1. : see Mah. xvi. 3. 10.).

REVEL, -LING (subs.) : मद्यपेयमहोत्सवः (?) ; पानगोष्ठीमहोत्सवः (?).

REVELATION : (1) विवृतिः ; (2) भेदः, निर्-, विनिर् ; (3) प्रकाशः, -नम् : for dif. : v. To reveal. Ph. : *divine r.* : ऐशोन्मेषः.

REVEL(LL)ER : expr. by verb.

REVELRY : v. Revel (subs.).

REVENGE (subs.) : (1) प्रतिहिंसा ; (2) प्रत्यपकारः ; (3) वैरनिर्यातनम् and sim. comp.s (the act) ; (4) प्रति(ती)कारः *or* -क्रिया (=requital), *in order to take r.* : प्रतिचिकीर्षया, Ki. xi. 74. ; *if unforgivingness had not supported r.* : यद्यमर्षः प्रतीकारं भुजालम्बं न लम्भयेत्, Ki. xi. 57.

REVENGE (v.) : by subs. with gen. : v. Also to avenge.

REVENGEFUL : (1) प्रतिहिंसापरायण (f. णा) and sim. comp.s ; (2) चिकीर्षु *or* प्रतिचिकीर्षु (mfn. : rare).

REVENGER : प्रति(ती)कर्तृ (f. त्री=avenger : q.v.).

REVENUE : (1) करः, *annual r.* : आब्दिकः करः, M. vii. 129. ; (2) बलिः, *he took r. from them* : स ताभ्यो बलिमग्रहीत्, R. i. 18. ; (3) भागधेयः (rare), A. ; (4) राजस्वम् (royal) : v. Also fruit, produce.

REVERBERATE : प्रतिध्वनति (ध्वन्, c. 1.) : v. To resound, echo.

REVERBERATION : I. Of sound : प्रतिध्वनिः : v. Echo. II. Of light or heat : (1) प्रतिफलः (?) ; (2) प्रतिक्षेपः (?).

REVERE, REVERENCE (v.) : (1) अर्चयति, अभि-, सम्- (अर्च्, c. 10.) ; (2) पूजयति, सम्-, अभि- (पूज्, c. 10.) : v. To honour, respect.

REVERENCE (subs.) : अर्चना *or* अर्चा, अभि-, *r. paid by me to Krishna* : विहितं मयाच्युतार्चनम्, Si. xv. 46. ; *or if he commands your highest r.* : यदि वार्चनीयतम एष भवताम्, 18. ; (2) पूजनम् *or* पूजा, सं- ; (3) अपचितिः ; (4) प्रतिमानना : v. Also respect. Ph. : *Your or His r. (in address)* : भगवत् (f. ती).

REVERED, REVEREND (adj.) : (1) पूज्य (f. ज्या) *or* पूजनीय (f. या), सं- ; (2) अर्चनीय (f. या) *or* अर्च्य (f. र्च्या), अभि-, समभि- ; (3) माननीय (f. या) *or* मान्य (f. न्या), सं-, प्रति- ; (4) पूजार्ह (f. र्हा) and sim. comp.s. Ph. : *r. sir* : भगवन् : v. Reverence.